Vol 4 Issue 8 Feb 2015

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

Golden Research Thoughts
ISSN 2231-5063
Impact Factor : 3.4052(UIF)
Volume-4 | Issue-8 | Feb-2015
Available online at www.aygrt.isrj.org

GRT

पर्यटन एवं विकास: पेंच राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में भौगोलिक अध्ययन

भुनेश्वर टेंभरे

सहायक प्राध्यापक भूगोल , रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.)

सांराश : विश्व के अधिकांश देशों में पर्यटन आर्थिक विकास का प्रमुख साधन है। विश्व के अधिकांश देशों ने पर्यटन संभावनाओं का पूर्ण दोहन कर अपनी अर्थव्यवस्था को ही परिमार्जित कर लिया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय पर्यटन नीति का एक प्रारूप तैयार किया था जिसका एक मात्र उद्देश्य पर्यटन को आर्थिक विकास के रूप में स्थापित कर रोजगार सृजन करना था। वर्तमान समय में पर्यटन उद्योग प्रति वर्ष 5.00 प्रतिशत विकास दर के साथ सबसे बडे उद्योग में परिवर्तित हो चुका है। संपूर्ण विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन की भागीदारी 11.00 प्रतिशत तथा व्यवसायिक रोजगार के क्षेत्र में 8.00 प्रतिशत है। भारत के संदर्भ में यह अनुपात 0.38 प्रतिशत है। प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र के संदर्भ में इन्ही तथ्यों को विश्लेयित करने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना :

परिचय: पर्यटन के माध्यम से आम लोगों के जीनव स्तर को बेहतर बनाना ताकि भौतिक जाग्रति, मानसिक उल्लास, सांस्कृतिक समृद्वि तथा आध्यात्मिक चेतना जाग्रत करने के अवसर उपलब्ध हो सके। इस भावना को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2002 घोषित की गई थी। भारत के नैसर्गिक, श्वासरोधक एवं अकल्पनीय सौदर्य में पर्यटन विकास की असीम संभावनाओं मौजुद है। अध्ययन क्षेत्र भी इसका अपवाद नही है। यह क्षेत्र अपनी समृद्व एतिहासिक विरासत, असीम नैसर्गिक सौंदर्य एवं जैव विविधता से ओत प्रोत भू दृश्य है। इन्ही संभावनाओं को विकास की प्रक्रिया से जोडकर एवं रोजगार सृजन कर क्षेत्र को आर्थिक स्वालंबी बनाना पर्यटन नीति के मुख्य उद्वेश्यों में से एक है।

अध्ययन क्षेत्र: मध्यप्रदेश के दक्षिण पूर्व में सतपुडा की वादियों में स्थित पेंच राष्ट्रीय उद्यान संपूर्ण विश्व में मोंगली लैण्ड के नाम से प्रसिद्व है। मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर स्थित सिवनी एवं छिंदवाडा जिलें के लगभग 758 वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर विस्तृत 79° 7′ 45" सेकंड से 79° 7′ 30" सेकंड उतरी अंक्षाश एवं 21° 37 से 21° 50 पूर्वी देशांश के मध्य स्थित यह क्षेत्र लगभग 1200 विभिन्न प्रजातियों को समेंटे हुए है। आइने अकबरी एव रूडयार्ड किपलिंग के जंगल बुक में उल्लेखित इस राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 93.30 वन्य जीवन प्रति वर्ग कि.मी. विचरण करते है। समृद्वशाली जैव विविधता के कारण यह क्षेत्र राष्ट्रीय परिदृश्य में नैसर्गिक पर्यटन की असीम संभावनाओं को समेटे हुये है।

अध्ययन का उद्देश्यः प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य पेंच राष्ट्रीय उद्यान (इंदिरा गांधी प्रियदर्शिनी राष्ट्रीय उद्यान) में पर्यटन की संभावनाओं, पर्यटक संख्या में वृद्वि, पर्यटक अनुपात में परिवर्तन के साथ साथ के साथ पर्यटन से प्राप्त राजस्व में वृद्वि का अध्ययन करना है।

आकडों के स्रोत एवं अध्ययन प्रविधिः प्रस्तुत शोध पत्र के अध्ययन के उद्वेश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्ष 2000–.01 से 2013–14 तक के संमक फील्ड डायरेक्टर पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी से प्राप्त किये गयें है। अध्ययन के उद्वेश्यों को प्राप्त करने के लिए सरलतम सांख्यिकीय विधियों का उपयोग किया गया है।

पर्यटन एवं विकास एक विश्लेषणः वर्तमान समय में पर्यटन केन्दों को इस तरह से विकसित किया जा रहा है कि पर्यटकों को न केवल संपूर्ण आन्नद प्राप्त हो सके, अपितु पर्यटक अपने आपको शारीरिक रूप से स्फूर्त, मानसिक रूप से तरूण, सांस्कृतिक रूप से समृद्व एवं अंतरमन से पर्यटन केन्दों को देखने के साथ साथ महसूस भी कर सकें। राष्ट्रीय पर्यटन के नीतिगत प्रपत्र में पर्यटन विकास को आर्थिक विकास से जोडनें के लिये सात (स) स्वागत,सूचना, सुविधा,सुरक्षा,सहयोग,संरचना एवं सफाई पर विशेष ध्यान दिये जने के कारण वर्तमान समय में पर्यटन मात्र मौज मस्ती का नाम नही रह गया है, अपितु संस्कृति के आदान प्रदान के साथ –साथ विदेशी मुद्रा अर्जन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। सारणी क्रं 01 के संमक भी इन्ही तथ्यों को स्पष्ट करते है। सारणी क्रं 01 के कालम नं. 05 के संमकों के विश्लेषण से सपष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में अध्ययन अवधि के दौरान 6.42 प्रतिशत की दर से कुल पर्यटकों की संख्या में 52104 पर्यटक (89.85 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है।वहीं दुसरी ओर भारतीय एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या में क्रमशः 6.33 एवं 7.12 प्रतिशत की दर से 46602 पर्यटक (88.68 प्रतिशत) 5502 पर्यटक (99.74 प्रतिशत) की वृद्वि हुई है। उक्त संमक राष्ट्रीय पर्यटन नीति विशेषकर अतिथि देवो भवः योजना को मूर्त रूप प्रदान करने की ओर इंगित करते है।

सारणी क्रं 01 के कालम नं.03 एवं 04 के विश्लेषण से दो तथ्य स्पष्ट होते है कि जहां एक ओर भारतीय पर्यटकों की तुलना में विदेशी पर्यटकों की संख्या में तीर्व वृद्वि हो रही है वहीं दुसरी ओर अध्ययन अवधि के वर्ष 2009 –10 एवं 201–.13 में पूर्व अध्ययन अवधि वर्षो की तुलना में पर्यटक संख्या में कमी दर्ज की गई है। सारणी क्रं 02 के तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में अध्ययन अवधि के प्रारंभिक वर्षो में जहां एक ओर भारतीय एवं विदेशी पर्यटकों का अनुपात क्रमशः 99.74 एवं 0.26 प्रतिशत था जो अध्यययन अवधि के अंतिम वर्षो में परिवर्तित होकर क्रमशः 89.44 एवं 10.36 प्रतिशत हो गया है। उक्त संमक अध्ययन अवधि में पर्यटन विकास की प्रक्रिया को प्रतिपादित करते है। वहीं दुसरी ओर पर्यटकों से प्राप्त राजस्व में 7.04 प्रतिशत की वार्षिक वृद्वि के साथ लगभग 98.59 प्रतिशत की वृद्वि दर्ज की गई है। उक्त समस्त तथ्य अध्ययन क्षेत्र की पर्यटन क्षमता एवं विकास की प्रक्रिया को पूर्णतः स्पष्ट करते है। सारणी क्रं 02 में उक्त तथ्यों का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है।

मूल्यांकनः पूर्व वर्णित पृष्ठों के विवरण से स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय पर्यटन नीति घोषित होने के पश्चात न केवल भारत, म.प्र. अपितु अध्ययन क्षेत्र के पर्यटन परिदृश्य में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है अपितु विदेशी आय की प्राप्ती से आर्थिक र्प्यावरण भी पोषित हुआ है। इन स्थितियों के बावजुद भी पर्यटन स्थलों के आसपास के परिवेश का निन्म स्तर, सुरक्षा परिदृश्य का अभाव, परिवहन सेवा का निन्म स्तर एवं संबंधित अवसरंचना आदि तथ्य आज भी विदेशी पर्यटकों के भारतीय गंतव्य में बडी बाधा है। इन समस्त कमियों को दुर कर पर्यटन के अवसरों को और भी बेहतर कर एक पर्यटन उद्योग को एक संपोषित उद्योग के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

सारणी क्रंमाक 01
पेंच राष्ट्रीय उद्यानः पर्यटकों की संख्या (प्रतिशत में)

d	o'k	Hkkjrh; i;Vd	fon"kh i;Vd	dy i;Vd
1	2000&01	&	&	&
2	2001&02	49-53	64-10	49-58
3	2002&03	42-49	71-74	42-71
4	2003&04	10-23	75-70	12-01
5	2004&05	13-26	51-03	15-05
6	2005&06	23-38	31-24	23-80
7	2006&07	28-52	59-78	29-44
8	2007&08	19-26	&25-76	48-34
9	2008&09	14-29	35-92	15-92
10	2010&11	&24-17	&83-40	&22-67
11	2011&12	20-45	11-53	19-71
12	2012&13	5-90	13-70	6-60
13	2013&14	&43-67	&24-57	&41-73
	{k=	04-71	08-34	5-09

स्रोतः क्षेत्र संचालक, पेंच राष्ट्रीय उद्यान जिला सिवनी म.प्र.

सारणी क्रमांक 02
पेंच राष्ट्रीय उद्यानः पर्यटक अनुपात एवं राजस्व प्राप्ती (प्रतिशत में)

d	o'k	Hkkjrh; i;Vd	fon"kh i;Vd	jktLo izkIrh
1	2000&01	99-74	0-26	&
2	2001&02	99-63	0-37	54-16
3	2002&03	99-25	0-75	42-40
4	2003&04	97-27	2-73	18-89
5	2004&05	95-27	4-73	62-20
6	2005&06	94-75	5-25	36-73
7	2006&07	90-77	9-23	48-34
8	2007&08	93-83	6-17	44-08
9	2008&09	91-98	8-02	&65-21
10	2010&11	90-08	9-12	&07-97
11	2011&12	91-72	8-28	42-49
12	2012&13	91-07	8-93	06-02
13	2013&14	89-90	10-20	&41-04
	{k=	89-44	10-36	30-25

स्रोतः क्षेत्र संचालक, पेंच राष्ट्रीय उद्यान जिला सिवनी म.प्र.

संदर्भ ग्रंथ

1.टेंभरे, भुनेश्वर (2012): पर्यटन उद्योग एवं पर्यटकों की रूची का विश्लेषणात्मक अध्ययन(म.प्र. के विशेष संदर्भ में) आर्यभट्ट रिसर्च जनरल, नई दिल्ली अंक 04,पृष्ट क्रं. 51—57
2.टेंभरे, भुनेश्वर (2013): कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में पर्यटक सतुंष्टी का अध्ययन, रिसर्च रिव्योलुशन वाल्युम 01 अंक 10 ,पृष्ट क्रं. 53—54
3..टेंभरे, भुनेश्वर (2013) : पर्यटन उद्योग का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव , रिसर्च डायरेक्शन वाल्युम 01 ,पृष्ट क्रं .25—27
4.टेंभरे, भुनेश्वर (2014) : डिण्डोरी जिलें में नैसर्गिक पर्यटन की समस्याएं एवं संभावनाएं, रिसर्च जर्नल आफ अक्षरवार्ता वाल्युम 05 , अंक 07 पृष्ट क्रं .166—169
5.Gadekar,D.J.&Mhaske (2009): Satisfaction Index of Pildrim Facilities of Shirdi ,The Goa Geographer Vol.VI No.01 pp 65-67
6. Fude, Ravindra (2006): A Geographical Study of Chandrapur Tourist Place,he Deccan Geographer VoI.II pp59-69

भुनेश्वर टेंभरे
सहायक प्राध्यापक भूगोल , रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मण्डला (म.प्र.)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org